







## अनमोल दावा

असफलता आपको अपनी  
गलती सुधारने और वापस  
दोगुनी ताकत से सफल होने  
के लिए प्रेरित करती है।

हरियाणा ने दिवाया कांग्रेस को आईना,  
भाजपा की हुई ऐतिहासिक जीत

महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी की सबसे मुख्य विजय बनकर उभरी है। चिठ्ठे चुनावों की तरह ही इस बार भी गहरी मतदाता और शिखित युवा भाजपा के साथ मजबूती से खड़े रहे। इन सब कारणों से भाजपा हरियाणा में एक उमीद और प्रतिक्रिया की पार्टी के रूप में उभरी जबकि कांग्रेस को दिन-प्रतिदिन एक निराशावादी और अराजक पार्टी के रूप में देखा जाने लगा।

हरियाणा विधानसभा चुनाव का जनादेश ऐतिहासिक है। पहली बार हरियाणा में किसी पार्टी ने लगातार नीतीय बार सकार बनाई है। हरियाणा की राजनीति मजबूत क्षेत्रीय नेताओं, परिवारवाद और अस्थिरता के कारण जानी जाती रही है। राजनीति का प्रसिद्ध मुहरवा च्छाया राम, गया रामजू राम के स्वीकृति है।

ऐसे में सभी पक्षों पोल की बोकारा हरियाणा का परिवारण गज्ज में मूलभूत परिवर्तन को दर्शाता है। यह जनादेश हरियाणा को जनना का प्रधानमंत्री ने भरती के नेतृत्व के प्रति अदूर विश्वास को दर्शाता है। हरियाणा से तीन ओर से खेड़े होने के कारण कांग्रेस की जीत दिल्ली के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती थी।

रहुण गांधी के अराजकतावादी एजेंडे के अंतर्गत दिल्ली को बार-बार आंदोलनों और धराना-प्रसरण के नाम पर बंद किया जाता। इससे मोदी सकार का काम आगे भारत को विकास यात्रा बढ़ावा देती, लेकिन कामेस यह भूल गई कि हरियाणा में राष्ट्रवाद की जड़ें बहुत गहरी हैं और आप जानता गहुल गांधी के वापसी और अराजक एजेंडे को नहीं स्वीकारती।

हरियाणा की जनता ने आंदोलनों के नाम पर लोकताक्रिक प्रक्रिया को बांधपास करने की कोशिश करने वाली राजनीति को नकारा है। खासतर पर दिल्ली बाईर से लगाने वाले इलाकों में कांग्रेस की भारी हार हुई है। हरियाणा का नीतीय चिठ्ठे दस वर्षों की भाजपा सकार की नीतियों और विकास कार्यों पर मुहर है। 2014 में यह रामजू राम की नीतिवादी जीत और अपराध एजेंडे के तौर पर आई।

यह पहले जाति और परिवार आधारित सरपरसी हावी रही थी और कानून का शासन दूसरे पायदान पर रहता था। यह सरकारी नौकरी की चयन प्रक्रिया में खासतर पर दिखता था, जहां भाई-भातीजावाद, भ्रष्टाचार और जातिवाद हावी थे। भाजपा सकार के तौर पर चयन प्रक्रिया नियम और पारदर्शी हुई और सरकारी नौकरियों में दो लाख से अधिक लोगों का चयन हुआ। दूसरी जाति और क्षेत्र को इस नई प्रणाली का लाभ मिला।

'बिना खर्ची और पचासी' की यह व्यवस्था युवाओं के बीच भाजपा के प्रति अदिगा विश्वास का कारण बनी। नायब सिंह सेरी को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने का फैसला भी जीत का एक महत्वपूर्ण कारक है। सैनी पार्टी में जीमीनी स्तर से उत्कर ऊपर तक आए हैं और बहुत कम जनसंख्या वाले अंति-पिछड़ा वर्ग से हैं। इससे पार्टी की कार्यकर्ताओं और जनता, दोनों में यह संदेश यात्रा किया जा सकता है। राजनीति की विस्तृती विस्तृती की भाजपा सकार की नीतियों और विकास कार्यों पर मुहर है। 2014 में यह रामजू राम की नीतिवादी जीत और अपराध एजेंडे के तौर पर आई।

यह पहले जाति और परिवार आधारित सरपरसी हावी रही थी और कानून का शासन दूसरे पायदान पर रहता था। यह सरकारी नौकरी की चयन प्रक्रिया में खासतर पर दिखता था, जहां भाई-भातीजावाद, भ्रष्टाचार और जातिवाद हावी थे। भाजपा सकार के तौर पर चयन प्रक्रिया नियम और पारदर्शी हुई और सरकारी नौकरियों में दो लाख से अधिक लोगों का चयन हुआ। दूसरी जाति और क्षेत्र को इस नई प्रणाली का लाभ मिला।

'विना खर्ची और पचासी' की यह व्यवस्था युवाओं के बीच भाजपा के प्रति अदिगा विश्वास का कारण बनी। नायब सिंह सेरी को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने का फैसला भी जीत का एक महत्वपूर्ण कारक है। सैनी पार्टी में जीमीनी स्तर से उत्कर ऊपर तक आए हैं और बहुत कम जनसंख्या वाले अंति-पिछड़ा वर्ग से हैं। इससे पार्टी की कार्यकर्ताओं और जनता, दोनों में यह संदेश यात्रा किया जा सकता है। राजनीति की विस्तृती विस्तृती की भाजपा सकार की नीतियों और विकास कार्यों पर मुहर है। 2014 में यह रामजू राम की नीतिवादी जीत और अपराध एजेंडे के तौर पर आई।

यह पहले जाति और परिवार आधारित सरपरसी हावी रही थी और कानून का शासन दूसरे पायदान पर रहता था। यह सरकारी नौकरी की चयन प्रक्रिया में खासतर पर दिखता था, जहां भाई-भातीजावाद, भ्रष्टाचार और जातिवाद हावी थे। भाजपा सकार के तौर पर चयन प्रक्रिया नियम और पारदर्शी हुई और सरकारी नौकरियों में दो लाख से अधिक लोगों का चयन हुआ। दूसरी जाति और क्षेत्र को इस नई प्रणाली का लाभ मिला।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूले नहीं है। भाजपा सकार की कल्याणकारी योजनाएँ वर्षों से उत्कर ऊपर तक पहुंची। उन्हें गांव-समाज के दंवंग तंवंगों पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे दस वर्षों में राजनीति की च्वांधुमा मजबूती से खड़ी हुई। भाजपा सकार की योजनाओं ने न केवल किसीकों को, बल्कि समाजिक किसीकों और खेतीवान मजबूतों को भी लाभान्वित किया, जिसके दिलों को पूर्ववर्ती सरकारों में सदैव नजरअंदाज किया गया था।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूले नहीं है। भाजपा सकार की कल्याणकारी योजनाएँ वर्षों से उत्कर ऊपर तक पहुंची। उन्हें गांव-समाज के दंवंग तंवंगों पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे दस वर्षों में राजनीति की च्वांधुमा मजबूती से खड़ी हुई। भाजपा सकार की योजनाओं ने न केवल किसीकों को, बल्कि समाजिक किसीकों और खेतीवान मजबूतों को भी लाभान्वित किया, जिसके दिलों को पूर्ववर्ती सरकारों में सदैव नजरअंदाज किया गया था।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूले नहीं है। भाजपा सकार की कल्याणकारी योजनाएँ वर्षों से उत्कर ऊपर तक पहुंची। उन्हें गांव-समाज के दंवंग तंवंगों पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे दस वर्षों में राजनीति की च्वांधुमा मजबूती से खड़ी हुई। भाजपा सकार की योजनाओं ने न केवल किसीकों को, बल्कि समाजिक किसीकों और खेतीवान मजबूतों को भी लाभान्वित किया, जिसके दिलों को पूर्ववर्ती सरकारों में सदैव नजरअंदाज किया गया था।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूले नहीं है। भाजपा सकार की कल्याणकारी योजनाएँ वर्षों से उत्कर ऊपर तक पहुंची। उन्हें गांव-समाज के दंवंग तंवंगों पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे दस वर्षों में राजनीति की च्वांधुमा मजबूती से खड़ी हुई। भाजपा सकार की योजनाओं ने न केवल किसीकों को, बल्कि समाजिक किसीकों और खेतीवान मजबूतों को भी लाभान्वित किया, जिसके दिलों को पूर्ववर्ती सरकारों में सदैव नजरअंदाज किया गया था।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूले नहीं है। भाजपा सकार की कल्याणकारी योजनाएँ वर्षों से उत्कर ऊपर तक पहुंची। उन्हें गांव-समाज के दंवंग तंवंगों पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे दस वर्षों में राजनीति की च्वांधुमा मजबूती से खड़ी हुई। भाजपा सकार की योजनाओं ने न केवल किसीकों को, बल्कि समाजिक किसीकों और खेतीवान मजबूतों को भी लाभान्वित किया, जिसके दिलों को पूर्ववर्ती सरकारों में सदैव नजरअंदाज किया गया था।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूले नहीं है। भाजपा सकार की कल्याणकारी योजनाएँ वर्षों से उत्कर ऊपर तक पहुंची। उन्हें गांव-समाज के दंवंग तंवंगों पर निर्भर नहीं रहना पड़ा, जिससे दस वर्षों में राजनीति की च्वांधुमा मजबूती से खड़ी हुई। भाजपा सकार की योजनाओं ने न केवल किसीकों को, बल्कि समाजिक किसीकों और खेतीवान मजबूतों को भी लाभान्वित किया, जिसके दिलों को पूर्ववर्ती सरकारों में सदैव नजरअंदाज किया गया था।

भाजपा का प्रचार और एजेंडा सर्वानामोर्शी था। अपनी समाजोंशी नीतियों के कारण भाजपा दिल्ली और हाशिये पर हठने वाले वर्षों के बीच गहरी पैदा हुई, जो आज भी कांग्रेस शासन में व्याप सामाजिक दमन, हिंसा और सरकार का रवेया भूल







